TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL COLLEGE OF EDUCATION

(Autonomous)

HARIGAON, ARA, (BHOJPUR) BIHAR

(Affiliated to Aryabhatta Knowledge University, Patna & Bihar School Examination Board, Patna)

(UGC Recognition under section 2(f), ISO 9001:2015 Certified Institution & NAAC Accredited with Grade "B")

Website: tnace.ac.in Email: info@tnace.ac.in

E-NEWS BULLETIN

14 th Edition

April to June – 2025

Courses

B.Ed., D.El.Ed., B.B.A., B.C.A & MA in Education

Mob- 9507865058, 7070091227

A unit of Tarkeshwar Narayan Agrawal Educational & Social Welfare Foundation, Ara, Bhojpur

Editor
Mr. Rajaee Kumar Asst. Prof.
T.N.A.C.E.,Harigaon

Chief Editor
Dr. Rahul Kumar Pandey
Principal
T.N.A.C.E.,Harigaon

Patron
Dr. Krishna Murari Agrawal
Chairman
T.N.A.C.E.,Harigaon

TYPING &DESIGING: -*Rajaee Kumar (Asst.Prof.)*

Contributor:Mr.Pramod Kumar, Mr. Gaurav Kumar,Smt.NilamKumari

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव, आरा (भोजपुर) द्वारा अपने महाविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों को जनसामान्य एवं छात्रों तक पहुंचाने की उद्देश्य महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन समाचार पत्रिका का 14 वां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है।

डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज़ और व्यापक हो चुका है। इसी परिवर्तनशील दौर में हमने एक नवीन पहल के रूप में इस ऑनलाइन समाचार पत्रिका की शुरुआत की हैएक ऐसा मंच जहाँ खबरें केवल सूचना न होकर समाज के चिंतन और संवाद का माध्यम बनें।

आपके सुझाव प्रतिक्रियाएँ और सहयोग इस यात्रा को और भी सार्थक बनाएंगे। आइएहम सभी मिलकर एक जागरूक संवेदनशील और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल
अध्यक्ष
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव

संदेश

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे महाविद्यालय में हर तिमाही 13 वां संस्करणकी भाँति इसबार भी 14 वां संस्करण समाचार पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है

यह हमारे संस्थान के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि हम अपने शैक्षणिक , सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों को डिजिटल मंच पर प्रस्तुत करते हुए इस ऑनलाइन समाचार पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं। यह प्रयास न केवल हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक नई उड़ान देगा , बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के अन्य सदस्यों को भी हमारे शैक्षणिक वातावरण की झलक प्रदान करेगा।

मैं हमारे संपादकीय दल, शिक्षकों और सभी विद्यार्थियों को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि यह पत्रिका सतत रूप से नवाचार और प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

डॉ राहुल कुमार पाण्डेय
प्राचार्य
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव

"संपादकीय टीम के द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन समाचार पत्रिका निष्पक्षता, सत्य और विश्वसनीयता का प्रतीक है , जो पाठकों को सटीक जानकारी और जागरूकता प्रदान करने का प्रयास करती है।"

संपादकीयटीम

महावीर जयंती

दिनांक 10/04/2025 को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव, आरा (भोजपुर) में भगवान महावीर स्वामी की जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि सत्य के संबंध में भगवान महावीर स्वामी ने कहा है कि "हे मनुष्य! सत्य को ही सार समझो। जो बुद्धिमान व्यक्ति सत्य की आज्ञा का पालन करता है, वह मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है।"

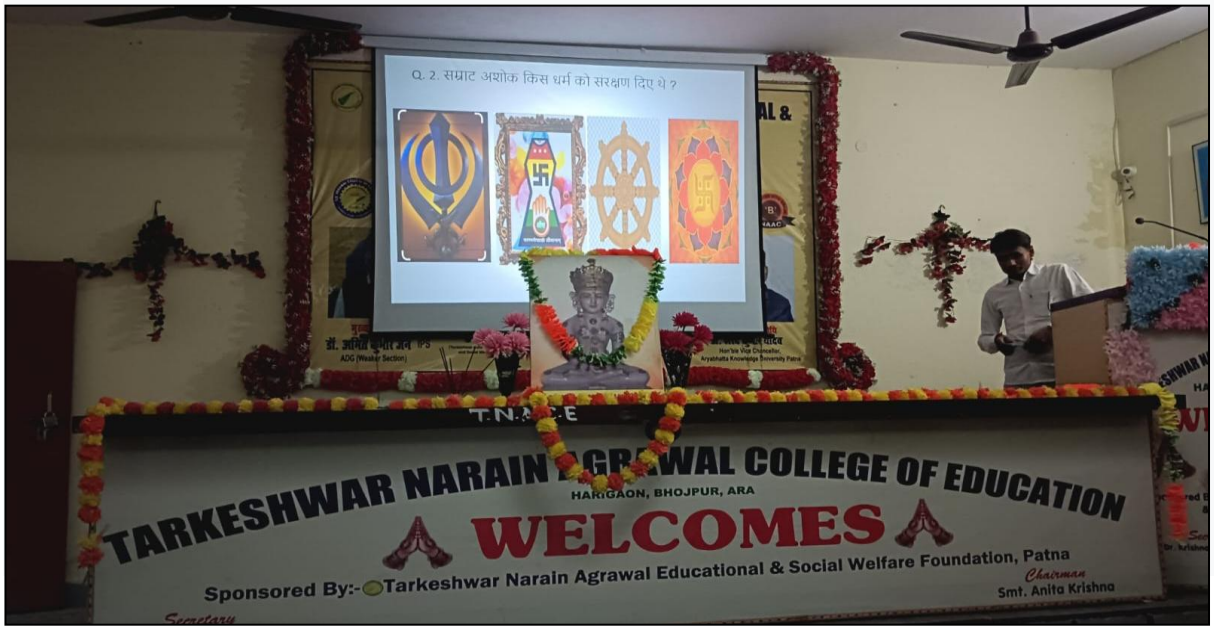

भगवान महावीर स्वामी के बारे में संक्षिप्त जानकारी:

1. जन्म: भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में कुंडलग्राम (वर्तमान बिहार) में हुआ था।

2. नाम: उनका बाल्यकाल का नाम वर्धमान था।

3. तपस्या और ज्ञान: 30 वर्ष की आयु में उन्होंने राज-पाट त्यागकर संयम का मार्ग अपनाया और 12 वर्षों तक कठोर तपस्या की।

4. कैवल्य ज्ञान: 42 वर्ष की आयु में उन्हें कैवल्य ज्ञान (सर्वज्ञान) प्राप्त हुआ।

5. उपदेश: उन्होंने अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य, और अपरिग्रह (संपत्ति का त्याग) जैसे सिद्धांतों का प्रचार किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकगण , शिक्षकेतर कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

फोटो पहचान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

10 अप्रैल 2025 को TNACE ने छात्रों के बीच फोटो पहचान और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से कौशल वृद्धि गतिविधि का आयोजन किया।

बी.एड./डी.एल.एड./बीसीए/बीबीए के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी स्मृति को याद करके और आलोचनात्मक सोच को जगाते हुए अपना प्रदर्शन दिया।

फोटो पहचान गतिविधि के माध्यम से छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न महान हस्तियों और दुनिया में उनके योगदान के बारे में पता चला। दोनों गतिविधियों का समन्वय शिक्षा के सहायक प्रोफेसर पी.एम. जेना ने किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का स्कोर बोर्ड जीवविज्ञान के सहायक प्रोफेसर श्री प्रमोद कुमार द्वारा संचालित किया गया था। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं के नाम इस संस्थान के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय द्वारा घोषित किए गए। निम्नलिखित तस्वीरें उपरोक्त कार्यक्रम की झलकियाँ हैं ---

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

दिनांक 14/04/2025 को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव, आरा (भोजपुर) में डॉ. बी. आर. अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया था। उन्होंने प्रारूप समिति की अध्यक्षता की और संविधान सभा में हुई बहसों और सर बेनेगल नरसिंह राव द्वारा तैयार किए गए प्रारंभिक प्रारूप के आधार पर काम किया। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. अंबेडकर ने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अभियान का नेतृत्व किया। कार्यक्रम के दौरान संकाय सदस्य , गैर-शिक्षण कर्मचारी और कॉलेज के छात्र उपस्थित थे।

कुछ महत्वपूर्ण बातें –

1. जन्म और प्रारंभिक जीवन:

जन्म: 14 अप्रैल 1891, महू (अब मध्यप्रदेश में), पूरा नाम: भीमराव रामजी अंबेडकर,जाति: महार (एक दलित जाति) बचपन में उन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा, जो उनके विचारों की नींव बना।

2. शिक्षा:

उन्होंने अत्यंत कठिनाइयों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त की।, कॉलेज: एलफिंस्टन कॉलेज, बॉम्बे, विदेशी शिक्षा: कोलंबिया यूनिवर्सिटी (अमेरिका) – M.A., Ph.D., लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स – D.Sc., ग्रेज़ इन (लंदन) से कानून की डिग्री (Bar-at-Law)

3. सामाजिक कार्य:

दलितों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया।, छुआछूत, भेदभाव और जातिवाद के विरुद्ध आवाज उठाई।, उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिण सभा', 'समाज समता संघ', जैसे संगठन बनाए।, अखिल भारतीय दलित महासंघ की स्थापना की।

4. राजनीतिक भूमिका:

उन्होंने भारतीय संविधान सभा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।, वे भारत के पहले कानून मंत्री बने।, उन्होंने भारत का संविधान तैयार किया, जिसमें समानता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर ज़ोर दिया गया।

5. धर्म परिवर्तन:

उन्होंने हिंदू धर्म में छुआछूत और जाति-प्रथा से निराश होकर 14 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म अपनाया।, लाखों दलितों ने उनके साथ बौद्ध धर्म ग्रहण किया।

6. प्रमुख रचनाएँ:

"जाति का विनाश" (Annihilation of Caste)

"शूद्र कौन थे?"

"बुद्ध और उनका धर्म"

"रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया" की नींव रखी

7. निधन:

मृत्यु: 6 दिसंबर 1956, दिल्ली

उन्हें "भारतरत्न" मरणोपरांत 1990 में दिया गया।

An

Multidisciplinary Two-Day National Seminar On the topic

"भविष्य की परीक्षा प्रणाली: तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा"

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षा महाविद्यालय (स्वायत्त) , हरिगांव, आरा (भोजपुर) में 18 एवं 19 अप्रैल 2025 को "भविष्य की परीक्षा प्रणाली: तकनीकी उन्नति एवं समावेशी शिक्षा" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्रख्यात शिक्षाविदों , विशेषज्ञ वक्ताओं , शोधार्थियों एवं छात्रों ने भाग लिया तथा उपरोक्त विषय पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करना तथा तकनीकी

नवाचारों के माध्यम से एक अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी भविष्य की मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अध्यक्ष मुख्य संरक्षक डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल एवं महाविद्यालय की सह-अध्यक्ष संरक्षिका श्रीमती अनीता कृष्णा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

इस अवसर पर एनसीटीई नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष बनवारीलाल नाटिया, विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव , विभागाध्यक्ष, उच्च शिक्षा, आईयूसीटीई, बीएचयू, वाराणसी, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी , पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय , पटना, प्रो. बी.के. प्रसाद , डॉ. तुषार आर्य , इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह , डॉ. नयन रंजन सिन्हा , निदेशक व्यावसायिक शिक्षा , TNAESW फाउंडेशन , सुश्री आकांक्षा सिंह , समन्वयक TNAESW फाउंडेशन और श्री रमाकांत चौबे ने संयुक्त रूप से देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया।

संगोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुआ। तत्पश्चात, सभी विशिष्ट अतिथियों को पारंपरिक तरीके से अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण के माध्यम से संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय बहुत ही समसामयिक है तथा परीक्षा पर चर्चा अब भविष्य की आवश्यकता है , परीक्षा एवं मूल्यांकन सभी के लिए नितांत आवश्यक विषय है, इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया।

मुख्य अतिथि डॉ. बनवारीलाल नाटिया ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए , बल्कि व्यावहारिक , नैतिक और रचनात्मक पहलुओं को भी ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन की प्रक्रिया विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने तकनीकी दक्षता को शिक्षा प्रणाली का अनिवार्य अंग बताया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि समावेशी शिक्षा हेतु डिजिटल उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का समुचित उपयोग करके हम हर वर्ग के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में परीक्षा प्रणाली में डेटा एनालिटिक्स , ऑनलाइन मूल्यांकन और स्वचालित फीडबैक जैसे पहलू प्रमुख भूमिका निभाएँगे।

प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी ने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं होना चाहिए , बल्कि छात्र की प्रगति

का संपूर्ण अवलोकन होना चाहिए। उन्होंने वैकल्पिक मूल्यांकन विधियों पर ज़ोर दिया।

प्रो. बी.के. प्रसाद ने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ , मूल्यांकन प्रणाली में लचीलापन लाना बेहद ज़रूरी है, ताकि विविध पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को समान अवसर मिल सकें। सेमिनार में प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी और प्रो. बी.के. प्रसाद ने मुख्य वक्ता और अध्यक्ष के रूप में तकनीकी सत्रों का संचालन किया।

सेमिनार के दूसरे दिन संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रो. डॉ. एम.एन. पांडेय (डीन , वाणिज्य संकाय) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा, डॉ. रवि भूषण कुमार (सहायक कुलसचिव) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी , डॉ. पीयूष राज प्रभात प्राचार्य, भुवन मालती कॉलेज ऑफ एजुकेशन , मोतिहारी, डॉ. एस.एस. प्रसाद (प्राचार्य) पाटलिपुत्र कॉलेज पटना ने सेमिनार के मुख्य विषय पर प्रकाश डाला।

इन सत्रों में देश भर के शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों के माध्यम से विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई , जिसमें ब्लूम टैक्सोनॉमी पर आधारित ऑनलाइन मूल्यांकन उपकरण , एआई आधारित परीक्षा प्रणाली और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए समावेशी मूल्यांकन मॉडल जैसे विषय प्रमुख रहे।

मान्यकरण सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन्द्र कुमार सिंह , विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा ने

अपने संबोधन में कहा कि एनईपी भविष्य के लिए एक नई क्रांति की भूमिका तैयार करेगी।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय , सहायक प्राध्यापक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. नीरज तिवारी ने किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापक श्रीमती पी.एम. जेना , सह-आयोजन

सचिव श्री के.बी. यादव , श्री चंदन कुमार गुप्ता , श्री प्रमोद कुमार , श्री रजई कुमार, विक्रांत कुमार सिंह , सुनील कुमार सहित सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस संगोष्ठी को शिक्षा के क्षेत्र में एक दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है , जो भविष्य में मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ , प्रभावी एवं समावेशी बनाने में मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

छात्रों का मूल्यांकन परीक्षा तक न रहे

आरा, निज प्रतिनिधि। टीएन अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनॉमस) हरिगांव में भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न विवि एवं कॉलेजों के शिक्षाविद, विशेषज्ञ वक्ताओं, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य संरक्षक डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल व संरक्षक अनीता कृष्ण के मार्गदर्शन में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव (वाराणसी), प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विवि), प्रो. बीके प्रसाद, डॉ. तुषार आर्य, ई. धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, आकांक्षा सिंह और रमाकांत चौबे ने किया। मौके पर प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय, डॉ. बनवारीलाल नाटिया, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्रो. बीके प्रसाद, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्रो. बीके. प्रसाद, वीकेएसयू वाणिज्य संकाय के डीन प्रो.डॉ एमएन पांडेय, डॉ रवि भूषण कुमार, डॉ. पीयूष राज प्रभात, डॉ एसएस प्रसाद ने सेमिनार के मुख्य विषय पर प्रकाश डाला।

टीएन अग्रवाल कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार के लिए जुटे अतिथि और विद्यार्थी।

टेक्निकल एजुकेशन पर हुई चर्चा

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

कार्यक्रम में शामिल लोग.

दो दिवसीय संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने रखे विचार, 'भागवत' का संबोधन

RANCHI (18 Jan) :तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में भविष्य की परीक्षा प्रणाली: तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी की शुरुआत हुई. रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि जानकारी ज्ञान का आधार है, जबकि समझदारी मानवीय संज्ञान का परिचायक है. भारतीय शिक्षा प्रणाली में परीक्षा मानवीय गुणों की परीक्षा है.

अन्य वक्ताओं के विचार

डॉ. वासुदेव प्रसाद (प्राचार्य, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद) ने कहा कि भारत शील और ओदार्य में विश्वगुरु रहा है. डॉ. ओम प्रकाश (राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तीन स्तंभ – ज्ञान, चरित्र और कौशल को रेखांकित करते हुए भारत एट 2047 के संकल्प पर बल दिया.

भागवत कथा में विचार

शाम को प्रो पाण्डेय ने शिक्षिका प्रभा सिन्हा के आवास पर आयोजित भागवत कथा को संबोधित करते हुए कहा, भगवान से जुड़ जाना ही भागवत है. इस अवसर पर कई शिक्षाविद् उपस्थित थे. 19 अप्रैल को वह एस. बी. कॉलेज में 'मानस में पुरुष पात्र' पुस्तक के लोकार्पण समारोह में मुख्य वक्ता होंगे, जिसमें एडीजी पंकज दराज उद्घाटन करेंगे और मुख्य अतिथि होंगे एडीजी सुनील कुमार.

तकनीकी नावाचार के माध्यम से परीक्षा में हो पारदर्शिता

- टीएन अग्रवाल कालेज में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
- संगोष्ठी में पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा

टीएन अग्रवाल कालेज के राष्ट्रीय सेमिनार में मौजूद लोग।● जागरण

जासं, आरा: तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कालेज आफ एजुकेशन, हरिगांव में दो दिवसीय "भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शनिवार को समापन हुआ। इसमें पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करते हुए एक ऐसी भविष्यगामी मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था, जो तकनीकी नवाचारों के माध्यम से अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

सेमिनार का आयोजन मुख्य संरक्षक डा. कृष्ण मुरारी अग्रवाल (चेयरमैन, महाविद्यालय) एवं संरक्षक अनीता कृष्ण (अध्यक्षा, टीएनए एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, पटना) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डा. आशीष श्रीवास्तव (हेड, हायर एजुकेशन), प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय), प्रो. बीके प्रसाद, डा. तुषार आर्य, इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, फाउंडेशन की को-आर्डिनेटर आकांक्षा सिंह एवं रमाकांत चौबे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर प्राचार्य डा. राहुल कुमार पांडेय, डा. नीरज तिवारी, पीएम जेना, केब्री यादव, चंदन कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार, रजय कुमार, विक्रांत कुमार सिंह, सुनील कुमार आदि उपस्थित थें।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए

संगोष्ठी में शामिल अतिथि व प्रशिक्षु.

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनोमस), हरिगांव में 18 एवं 19 अप्रैल को भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया. इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से पधारे शिक्षाविदों, विशेषज्ञ वक्ताओं, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं उक्त विषय पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए. इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करते हुए एक ऐसी भविष्यगामी मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था, जो तकनीकी नवाचारों के माध्यम से अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव (हेड, हायर एजुकेशन, बीएचयू, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय), प्रो. बी. के. प्रसाद, डॉ. तुषार आर्य, इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, फाउंडेशन की को-आर्डिनेटर सुश्री आकांक्षा सिंह एवं रामाकांत चौबे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने स्वागत भाषण में सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यावहारिक, नैतिक, और सृजनात्मक पक्षों को भी ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन की प्रक्रिया विकसित की जानी चाहिए.

विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि समावेशी शिक्षा के लिए डिजिटल उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समुचित उपयोग कर हम हर वर्ग के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान कर सकते हैं. प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी ने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं होना चाहिए, बल्कि छात्र की प्रगति का संपूर्ण अवलोकन होना चाहिए. उन्होंने वैकल्पिक मूल्यांकन विधियों पर बल दिया. प्रो. बी. के. प्रसाद ने कहा कि तकनीकी उन्नति के साथ मूल्यांकन प्रणाली को लचीलापन प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है ताकि विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सके.

बाबू वीर कुँवर सिंह विजयोत्सव दिवस

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव, आरा (भोजपुर) में दिनांक 23/04/2025 को बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती विजयोत्सव के रूप में मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने बाबू वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। अपने संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख नेता थे और उन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ 15 से अधिक लड़ाइयां लड़ीं और हर एक में विजय प्राप्त की। हम ऐसे वीर सपूत को नमन करते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य , प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्पेशल लेक्चर प्रोग्राम का आयोजन

दिनांक 26 अप्रैल 2025, शनिवार को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज आफ एजुकेशन, हरिगाँव, आरा, भोजपुर में एक अत्यधिक प्रेरणादायक "स्पेशल लेक्चर प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रेरणा देना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिनवानी मैनेजमेंट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तुषार आर्या जी ने अपनी प्रेरणादायक बातें साझा कीं। यह कार्यक्रम कॉलेज के छात्रों के लिए एक अनूठा अवसर था , जिसने उनमें आत्मविश्वास , प्रेरणा और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय और जिनवानी मैनेजमेंट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तुषार आर्या द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। दीप प्रज्वलन एक प्रतीक था , जो ज्ञान और उजाले के आगमन को दर्शाता है। इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में किसी भी लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए परिश्रम और दिशा की आवश्यकता होती है। प्रेरणा के रूप में गुरु , माता-पिता या मित्र हो सकते हैं , जो

मार्गदर्शक का कार्य करते हैं।डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को यह समझाने का प्रयास किया कि शिक्षा केवल एक साधन नहीं है , बल्कि यह एक माध्यम है , जो हमारी क्षमता को समझने और व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने में मदद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें केवल नौकरी पाने की सोच से बाहर निकलकर अपने कार्य को अपनी पहचान के रूप में देखना चाहिए। यह विचार विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक था , क्योंकि यह उन्हें अपने भविष्य को लेकर एक नए दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. तुषार आर्या ने विद्यार्थियों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को यह समझाया कि उनका कार्य ही उनकी असली पहचान है , चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो , व्यवसाय का क्षेत्र हो , सामाजिक क्षेत्र हो , या राजनीतिक क्षेत्र हो। उन्होंने कहा कि आजकल शिक्षा का मतलब बच्चों के लिए केवल नौकरी पाना रह गया है , जो कि एक संग्रह की भावना को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए , बल्कि इसका उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और एक शिक्षित समाज का निर्माण करना होना चाहिए।

डॉ. तुषार आर्या ने शिक्षा , निजीकरण, नौकरी, कार्यशैली और व्यवसाय पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि आजकल शिक्षा के निजीकरण का दौर चल रहा है, जो छात्रों पर एक दबाव उत्पन्न करता है। हालांकि , निजीकरण के कुछ सकारात्मक पक्ष भी हैं , जैसे प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करना। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि वर्तमान कार्यकाजी दुनिया में केवल एक डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है , बल्कि हमें अपने कौशल और कार्यशैली को निरंतर सुधारने की आवश्यकता है।

डॉ. तुषार आर्या के भाषण ने विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डाला। उनके विचारों ने विद्यार्थियों को शिक्षा और करियर के प्रति नया दृष्टिकोण देने का कार्य किया। विद्यार्थियों ने महसूस किया कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह समाज की सेवा में योगदान देने और राष्ट्र निर्माण में मदद करने का एक माध्यम होना चाहिए। डॉ. तुषार आर्या के भाषण ने छात्रों में

आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार किया, जिससे वे अपने भविष्य के प्रति अधिक सजग और प्रेरित हुए।

कार्यक्रम के समापन के समय महाविद्यालय के शिक्षकगण , शिक्षेकेत्तर कर्मचारी और शिक्षार्थी उपस्थित थे। सभी ने इस कार्यक्रम में दिए गए विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उन पर चिंतन किया। कार्यक्रम के बाद, सभी ने डॉ. तुषार आर्या और डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय का धन्यवाद किया , जिन्होंने इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम ने छात्रों को एक नई दिशा दी और उन्हें अपने जीवन में सफलता की ओर प्रेरित किया।

यह स्पेशल लेक्चर प्रोग्राम एक अत्यंत सफल और प्रेरणादायक कार्यक्रम रहा , जिसने विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य के प्रति जागरूक किया और उन्हें एक नई दिशा दी। इस कार्यक्रम ने छात्रों को यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल एक साधन नहीं है , बल्कि यह समाज के प्रति जिम्मेदारी, राष्ट्र निर्माण में योगदान और स्वयं को बेहतर बनाने का एक माध्यम है। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम से प्रेरणा ली और अपने जीवन के उद्देश्य को समझने की दिशा में एक कदम और बढ़ाया।

T.N.A.C.E.

रवीन्द्र नाथ टैगोर की जयंती

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव, आरा में दिनांक 07/05/2025 (बुधवार) को रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती मनाई गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने रवींद्र नाथ टैगोर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि रवींद्र नाथ टैगोर एक महान कवि, लेखक, दार्शनिक, संगीतकार और चित्रकार थे।

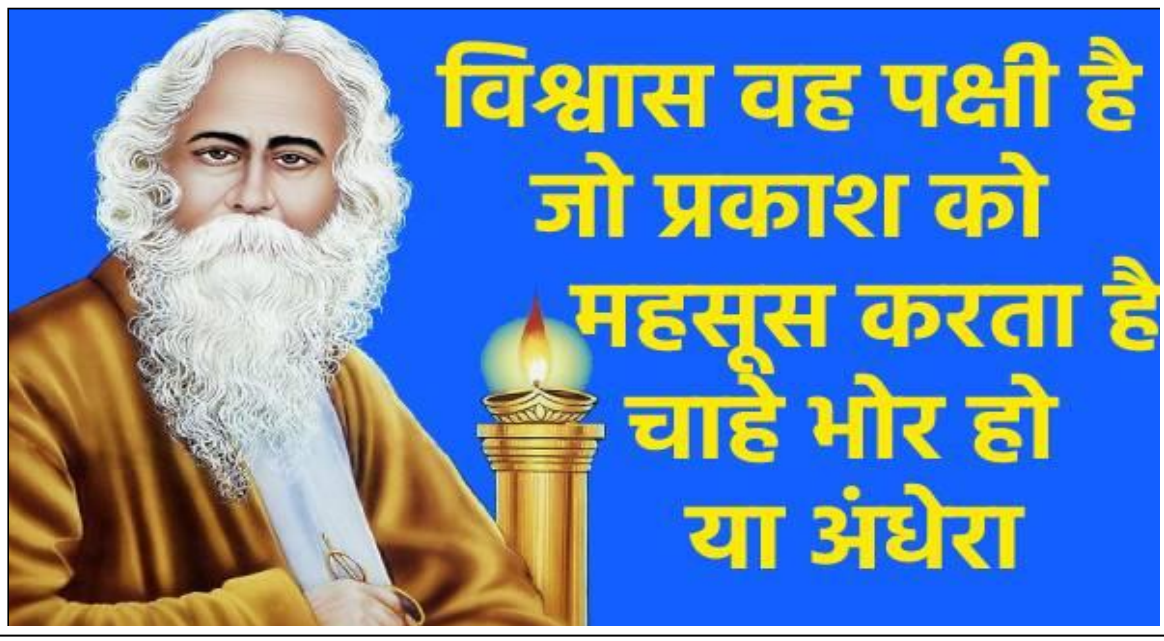

उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था और वे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले एशियाई थे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक , गैर-शिक्षण कर्मचारी और प्रशिक्षु उपस्थित थे।

बुद्ध पूर्णिमा
(भगवान बुद्ध जयंती)

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव में दिनांक 12/05/2025 (सोमवार) को बुद्ध पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।

डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने कहा कि भगवान बुद्ध ने न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में ज्ञान का प्रकाश फैलाया और ज्ञान , करुणा, उदारता, धैर्य और दया जैसे गुणों पर बल दिया , जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारीगण और सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

वर्ष : 04 अंक :98 लखनऊ गुरुवार 13 फरवरी , 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य 2 रु/– RNI- UPHIN/2021/84205

दैनिक लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

न्यूज वर्ल्ड

हम उठाएंगे आपकी आवाज

पेज नं० 2 हाईस्कूल पास युवाओं के लिए खुशखबरी, बिना परीक्षा मिलेगी नौकरी

पेज नं० 6 स्वैच्छिक बंदी का पूर्ण समर्थन,व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं

बीबीए और बीसीए : बेहतर करियर विकल्प

रिपोर्ट – शांतनु कुमार सिंह
जिला – पटना

हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र अपने भविष्य की पढ़ाई के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं। वे इस तरह के सवालों से परेशान रहते हैं कि उन्हें कौन सा कोर्स करना चाहिए, किस कॉलेज में जाना चाहिए, इत्यादि। छात्र आमतौर पर ऐसा कोर्स चाहते हैं जो उनके भविष्य को सुरक्षित करे और ऐसा कॉलेज जो उन्हें अच्छे प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करे। चूंकि ग्रेजुएशन उनके करियर की नींव का काम करता है, इसलिए वे ऐसा कॉलेज चुनना चाहते हैं जो उन्हें सबसे अच्छे अवसर प्रदान करे। इससे पहले कि आप कोई रास्ता चुनें, आपको दोनों विकल्पों के बीच के अंतर को समझना चाहिए। आपको ठठ। और ठक। दोनों की विशेषताओं और दायरे की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। आपको सबसे अच्छा निर्णय लेने में मदद करने के लिए नीचे दोनों पाठ्यक्रमों का विस्तार से वर्णन किया गया है।

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)

बीसीए छह सेमेस्टर वाला तीन वर्षीय तकनीकी पाठ्यक्रम है जो कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, कोडिंग आदि में आवश्यक कौशल, ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करता है। बीसीए कार्यक्रम पूरा करने के बाद, आप एमसीए या एमबीए के साथ अपनी शिक्षा जारी रख सकते हैं या कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश कर सकते हैं।

बीसीए कोर्स के बाद करियर की संभावनाएं

बीसीए डिग्री वाले उम्मीदवार विभिन्न संगठनों, व्यवसायों, स्टार्टअप और बहुराष्ट्रीय निगमों में काम पा सकते हैं। इंफोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, विप्रो, डेलॉइट, इंफोसिस, एचपी, केपीएमजी, गूगल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कैपजेमिनी और अन्य शीर्ष एमएनसी में से हैं जो बीसीए स्नातकों को नियुक्त करते हैं।

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए)

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन डिग्री प्रोग्राम किसी भी विषय जैसे विज्ञान, वाणिज्य या कला से प्रबंधन के इच्छुक लोगों में प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल पैदा करके व्यवसाय प्रबंधन और प्रशासन में जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करता है। भारत में बीबीए की शुरुआती सैलरी अनुभव, शोध विषयों, विशेषज्ञता के क्षेत्र आदि के अनुसार अलग-अलग होती है। बीबीए वाले स्नातक आमतौर पर 4-10 लाख रुपये प्रति वर्ष कमाते हैं।

बीबीए कार्यक्रम के स्नातकों के लिए नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं रू- अनुसंधान और विकास प्रबंधक, विपणन प्रबंधक, सूचना प्रणाली प्रबंधक, वित्त प्रबंधक , मानव संसाधन प्रबंधक , बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन शोधकर्ता , व्यापारिक सलाहकार छात्र की रुचि के आधार पर, दोनों पाठ्यक्रमों की तुलना की जानी चाहिए। बीसीए कार्यक्रम उन छात्रों के लिए आदर्श है, जिनका प्रौद्योगिकी के प्रति गहरा लगाव है और कोडिंग, सॉफ्टवेयर विकास और सूचना प्रौद्योगिकी में गहरी रुचि है। दूसरी ओर, बीबीए कार्यक्रम उन छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनकी प्रबंधन और व्यावसायिक अध्ययन में सामान्य रुचि है। ये दोनों ही स्ट्रीम आकर्षक नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन अगर हमें किसी एक को चुनना ही है, तो बीसीए कोर्स को चुना जाना चाहिए क्योंकि यह बेहतर वेतन के साथ सुरक्षित और अधिक आकर्षक नौकरी सुरक्षा प्रदान करता है। देश के शिक्षा जगत में दशकों से कार्यरत मशहूर शिक्षाविद् डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिव तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेल्फेयर फाउंडेशन ने ये बातें एक पैनल डिसकशन में अपने ही संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी गन के साथ चर्चा में कही, जिसमे चेयरमैन मैडम अनिता कृष्णा, सुकृति अग्रवाल मैम, डॉ नयन रंजन सिन्हा, आकांक्षा सिंह, कुमार गौरव मौजूद रहे। ये सारी बातें भुवन मालती कॉलेज ऑफ एजुकेशन मोतिहारी, और तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन आरा जो कि तारकेश्वर नारायण अग्रवाल फाउंडेशन के तत्वाधान में संयुक्त रूप से संचालित एडमिशन सेशन वर्ष 2025–2026 के नामांकन के लिए उद्घोषणा और पंपलेट के अनावरण के समय कही गई। साथ में यह भी संकल्प किया गया की संस्थान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कला एवं शिल्प कार्यक्रम

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षा महाविद्यालय , हरिगांव, आरा, भोजपुर में दिनांक 15-05-2025 को बी.एड. एवं डी.एल.एड. विभागों द्वारा बड़े उत्साह एवं रचनात्मकता के साथ "आर्ट एंड क्राफ्ट" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षु शिक्षकों में रचनात्मकता, नवाचार और कला के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कला एवं शिल्प के शैक्षणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो रचनात्मकता को समझता है और छात्रों में उसका पोषण करता है।"

बी.एड. प्रशिक्षुओं ने वॉल हैंगिंग , पेपर क्राफ्ट, पेंटिंग और "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" वस्तुओं सहित विभिन्न कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। सभी कृतियाँ अत्यंत प्रभावशाली थीं और प्रशिक्षुओं की कल्पनाशीलता एवं कड़ी मेहनत को दर्शाती थीं। कार्यक्रम का सह-संचालन महाविद्यालय की वरिष्ठ संकाय सदस्य श्रीमती पी.एम. जेना ने किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल में कला विभाग के अनुभवी संकाय सदस्य डॉ. नीरज तिवारी , श्री चंदन कुमार गुप्ता और श्री रजई कुमार शामिल थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के

संकाय सदस्य डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय , श्री के.बी. यादव , श्री प्रमोद कुमार, बिक्रांत कुमार सिंह और श्री सुनील कुमार सहित अन्य सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव, आरा (भोजपुर) में दिनांक 21.06.2025 को एक विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के बीच योग के महत्व को उजागर करना और नियमित शारीरिक व्यायाम और मानसिक संतुलन को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर, कॉलेज के अध्यक्ष डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने एक ऑनलाइन संदेश के माध्यम से सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि योग अभ्यास के माध्यम से , व्यक्ति शरीर, मन और आत्मा को जोड़ सकता है, जो बदले में जीवन में संतुलन लाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पाण्डेय , फाउंडेशन समन्वयक मिस आकांक्षा सिंह और व्यावसायिक अध्ययन के निदेशक प्रो डॉ नयन रंजन सिन्हा द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई।

इसके बाद, योग प्रशिक्षक डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने योग सत्र का संचालन किया , जिसमें विभिन्न योग आसन (जैसे सूर्य नमस्कार, वृक्षासन, वीरासन), श्वास व्यायाम (कपालभाति, अनुलोम-विलोम) और ध्यान तकनीकें शामिल थीं।

बड़ी संख्या में छात्रों, संकाय सदस्यों और कार्यालय कर्मचारियों ने इस सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरी लगन से योगाभ्यास किया।

सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को योग की सही तकनीकों से अवगत कराया गया और मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि - फाउंडेशन समन्वयक सुश्री आकांक्षा सिंह और व्यावसायिक अध्ययन निदेशक प्रो डॉ नयन रंजन सिन्हा - ने योग को दैनिक जीवन में शामिल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने टिप्पणी की कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद करता है। कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या का नियमित हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही , जिनमें डॉ मनोज कुमार उपाध्याय , डॉ नीरज तिवारी , श्री चंदन कुमार गुप्ता, श्री के.बी. यादव, श्री रजई कुमार, श्री प्रमोद कुमार, श्री सुनील कुमार के साथ-साथ सभी शिक्षक , गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

NEWS PEPAR CUTTING

टीएनए टीचर्स कॉलेज को मिला स्वायत्त संस्थान का दर्जा

प्रतिनिधि, आरा

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव को स्वायत्त दर्जा प्राप्ति के उपरांत गवर्निंग बॉडी एवं अकादमी परिषद की संयुक्त बैठक पटना के सीपी पैलेस होटल के सभागार में आयोजित की गयी. अध्यक्षता नवनियुक्त चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने की.

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने बताया कि (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा सितंबर -2024 में ही स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त हो चुका था. विश्वविद्यालय से सभी प्रक्रिया पूर्ण कराकर अब हमारा महाविद्यालय पूर्णतः स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है. जिसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव एवं रजिस्ट्रार इंजीनियर रामजी सिंह एवं अन्य सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को चेयरमैन द्वारा आभार प्रदान की गई. प्राचार्य सह -पदेन सचिव डॉ राहुल कुमार पांडेय ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और सबके मार्गदर्शन को ध्यान में रखते हुए कहा कि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन का वातावरण स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पना ज्ञापित किया. बैठक में उपाध्यक्षा अनीता कृष्ण ने हर्ष जाहिर करते हुए सभी सदस्यों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को अपना शत प्रतिशत योगदान देने हेतु प्रेरित किया. बैठक में नामचीन सदस्यों, जिसमें क्रमशः प्रो. डॉली सिन्हा, डॉ ज्ञान देव मणि त्रिपाठी, फादर इग्नासीयीएस टोपो, प्रो. संजय कुमार , प्रो एके राय, प्रो. खगेंद्र कुमार, प्रो. एमएन पांडेय, मो फैजानुद्दीन, डॉ पीयूष राज प्रभात, प्रो. बीके प्रसाद, डॉ नवन रंजन सिन्हा, श्री कृष्ण माधव अग्रवाल, इंजीनियर धीरेंद्र सिंह और मिस आकांक्षा सिंह एवं समाजसेवी मनीष तिवारी उपस्थित रहे.

पटना में आयोजित बैठक में भाग लेते चेयरमैन व अन्य.

Prabhat Khabar
08/04/25
page- 6

टीएन अग्रवाल कालेज को मिला स्वायत्त संस्थान का दर्जा

जास, आरा: तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कालेज आफ एजुकेशन हरिगांव आरा को स्वायत्त दर्जा प्राप्त हो गया है। इसके बाद पहली बार गवर्निंग बाडी एवं अकादमी परिषद की संयुक्त बैठक का आयोजन पटना में की गई। बैठक की अध्यक्षता नवनियुक्त चेयरमैन डा. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने बताया कि (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा सितंबर -2024 में ही स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त हो चुका था।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव एवं रजिस्ट्रार इंजीनियर रामजी सिंह एवं अन्य सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को चेयरमैन द्वारा आभार प्रदान की गई। प्राचार्य सह-पदेन सचिव डा. राहुल कुमार पांडेय ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। बैठक की उपाध्यक्षा अनीता कृष्ण ने की। बैठक में प्रो. डाली सिन्हा, डा. ज्ञान देव मणि त्रिपाठी, फादर इग्नासीसीएस टोपो, प्रो. संजय कुमार, प्रो. एके राय, प्रो.खगेंद्र कुमार, प्रो.एमएन पांडेय, कृष्ण माधव अग्रवाल, धीरेंद्र सिंह और मिस आकांक्षा सिंह उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते नवनियुक्त चेयरमैन डा. कृष्ण मुरारी अग्रवाल व अन्य

परीक्षा में सहयोग की मांग की। विभाग का कहना है कि जो छात्र-छात्राएं आंतरिक परीक्षा में शामिल नहीं हो सके हैं। उनके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा 30 अंकों का है। जिसमें कम से कम 14 अंक लाना जरूरी है। इसकी सैद्धांतिक परीक्षा अप्रैल के पहले सप्ताह में हो जाएगी।

Dainik Jagaran
08/04/25
Page-04

स्वायत्त दर्जा मिलने पर टीएन कॉलेज की बैठक

आरा। तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव आरा, भोजपुर को स्वायत्त दर्जा प्राप्ति के उपरांत गवर्निंग बॉडी एवं अकादमी परिषद की संयुक्त बैठक पटना के सभागार में की गई। अध्यक्षता नवनियुक्त चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने की। प्राचार्य सह पदेन सचिव डॉ राहुल कुमार पांडेय ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया।

Hindustan
08/04/25
Page-04

Dainik Jagaran

21/04/25, Page-04

तकनीकी नावाचार के माध्यम से परीक्षा में हो पारदर्शिता

- टीएन अग्रवाल कालेज में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
- संगोष्ठी में पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा

जास. आरा: तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कालेज आफ एजुकेशन, हरिगांव में दो दिवसीय "भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शनिवार को समापन हुआ। इसमें पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करते हुए एक ऐसी भविष्यगामी मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था, जो तकनीकी नवाचारों के माध्यम से अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

टीएन अग्रवाल कालेज के राष्ट्रीय सेमिनार में मौजूद लोग। ● जागरण

सेमिनार का आयोजन मुख्य संरक्षक डा. कृष्ण मुरारी अग्रवाल (चेयरमैन, महाविद्यालय) एवं संरक्षक अनीता कृष्ण (अध्यक्षा, टीएनए एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, पटना) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डा. आशीष श्रीवास्तव (हेड, हायर एजुकेशन), प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय), प्रो. बीके प्रसाद, डा. तुषार आर्य, इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, फाउंडेशन की को-आर्डिनेटर आकांक्षा सिंह एवं रमाकांत चौबे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर प्राचार्य डा. राहुल कुमार पांडेय, डा. नीरज तिवारी, पीएम जेना, केबी यादव, चंदन कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार, रजय कुमार, विक्रांत कुमार सिंह, सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए

Prabhat Khabar

20/04/25

Page-06

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनॉमस), हरिगांव में 18 एवं 19 अप्रैल को भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया. इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से पधारे शिक्षाविदों, विशेषज्ञ वक्ताओं, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं उक्त विषय पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए. इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करते हुए एक ऐसी भविष्यगामी मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था, जो तकनीकी नवाचारों के माध्यम से अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव (हेड, हायर एजुकेशन, बीएचयू, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा

संगोष्ठी मे शामिल अतिथि व प्रशिक्षु.

संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय), प्रो. बी. के. प्रसाद, डॉ. तुषार आर्य, इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, फाउंडेशन की को-आर्डिनेटर सुश्री आकांक्षा सिंह एवं रामाकांत चौबे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने स्वागत भाषण में सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल लिखित परीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यावहारिक, नैतिक, और सृजनात्मक पक्षों को भी ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन की प्रक्रिया विकसित की जानी चाहिए.

विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि समावेशी शिक्षा के लिए डिजिटल उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समुचित उपयोग कर हम हर वर्ग के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान कर सकते है. प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी ने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं होना चाहिए, बल्कि छात्र की प्रगति का संपूर्ण अवलोकन होना चाहिए. उन्होंने वैकल्पिक मूल्यांकन विधियों पर बल दिया. प्रो. बी. के. प्रसाद ने कहा कि तकनीकी उन्नति के साथ मूल्यांकन प्रणाली को लचीलापन प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है ताकि विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सके.

छात्रों का मूल्यांकन परीक्षा तक न रहे

आरा, निज प्रतिनिधि। टीएन अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनॉमस) हरिगांव में भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न विवि एवं कॉलेजों के शिक्षाविद, विशेषज्ञ वक्ताओं, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य संरक्षक डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल व संरक्षक अनीता कृष्ण के मार्गदर्शन में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव (वाराणसी), प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विवि), प्रो. बीके प्रसाद, डॉ. तुषार आर्य, ई. धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, आकांक्षा सिंह और रमाकांत चौबे ने किया। मौके पर प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय, डॉ. बनवारीलाल नाटिया, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्रो. बीके प्रसाद, प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्रो. बीके. प्रसाद, वीकेएसयू वाणिज्य संकाय के डीन प्रो.डॉ एमएन पांडेय, डॉ रवि भूषण कुमार, डॉ. पीयूष राज प्रभात, डॉ एसएस प्रसाद ने सेमिनार के मुख्य विषय पर प्रकाश डाला।

टीएन अग्रवाल कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार के लिए जुटे अतिथि और विद्यार्थी।

टेक्निकल एजुकेशन पर हुई चर्चा

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

दो दिवसीय संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने रखे विचार, 'भागवत' का संबोधन

कार्यक्रम में शामिल लोग.

RANCHI (18 Jan) :तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में भविष्य की परीक्षा प्रणाली: तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी की शुरुआत हुई. रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि जानकारी ज्ञान का आधार है, जबकि समझदारी मानवीय संज्ञान का परिचायक है. भारतीय शिक्षा प्रणाली में परीक्षा मानवीय गुणों की परीक्षा है.

अन्य वक्ताओं के विचार

डॉ. वासुदेव प्रसाद (प्राचार्य, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद) ने कहा कि भारत शील और औदार्य में विश्वगुरु रहा है. डॉ. ओम प्रकाश (राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तीन स्तंभ – ज्ञान, चरित्र और कौशल को रेखांकित करते हुए भारत एट 2047 के संकल्प पर बल दिया.

भागवत कथा में विचार

शाम को प्रो पाण्डेय ने शिक्षिका प्रभा सिन्हा के आवास पर आयोजित भागवत कथा को संबोधित करते हुए कहा, भगवान से जुड़ जाना ही भागवत है. इस अवसर पर कई शिक्षाविद् उपस्थित थे. 19 अप्रैल को वह एस. बी. कॉलेज में 'मानस में पुरुष पात्र' पुस्तक के लोकार्पण समारोह में मुख्य वक्ता होंगे, जिसमें एडीजी पंकज दराज उद्घाटन करेंगे और मुख्य अतिथि होंगे एडीजी सुनील कुमार.

तकनीकी नावाचार के माध्यम से परीक्षा में हो पारदर्शिता

- टीएन अग्रवाल कालेज में हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
- संगोष्ठी में पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा

टीएन अग्रवाल कालेज के राष्ट्रीय सेमिनार में मौजूद लोग। ● जागरण

जासं, आरा: तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कालेज आफ एजुकेशन, हरिगांव में दो दिवसीय "भविष्य की परीक्षा प्रणाली : तकनीकी उन्नति और समावेशी शिक्षा" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शनिवार को समापन हुआ। इसमें पारंपरिक परीक्षा प्रणाली की सीमाओं पर चर्चा करते हुए एक ऐसी भविष्यगामी मूल्यांकन प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना था, जो तकनीकी नवाचारों के माध्यम से अधिक समावेशी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

सेमिनार का आयोजन मुख्य संरक्षक डा. कृष्ण मुरारी अग्रवाल (चेयरमैन, महाविद्यालय) एवं संरक्षक अनीता कृष्ण (अध्यक्षा, टीएनए एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, पटना) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. बनवारीलाल नाटिया (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई), विशिष्ट अतिथि डा. आशीष श्रीवास्तव (हेड, हायर एजुकेशन), प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय), प्रो. बीके प्रसाद, डा. तुषार आर्य, इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ नयन रंजन सिन्हा, फाउंडेशन की को-आर्डिनेटर आकांक्षा सिंह एवं रमाकांत चौबे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर प्राचार्य डा. राहुल कुमार पांडेय, डा. नीरज तिवारी, पीएम जेना, केबी यादव, चंदन कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार, रजय कुमार, विक्रांत कुमार सिंह, सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

टीएनए टीचर्स कॉलेज में विशेष योगाभ्यास का हुआ आयोजन

छात्रों के कक्षा उद्घाटन समा का किया गया आयोजन